

चालीसवें पद का गुप्त इतिहास - संख्या सत्ताईस

यहेजकेल संख्या आठ

Jeff Pippenger

2026-08-17

यहेजकेल की पुस्तक में तिथियों के 'तेरह' उल्लेख हैं; उनमें से छह यरूशलेम से, छह मिस्र से, और एक सोर से संबंधित हैं। ये सभी उल्लेख विद्रोह के संदर्भ में स्थापित हैं, जिसका प्रतीक संख्या 'तेरह' है। जिस वर्ष यहेजकेल की पत्नी आघात से मर गई, और जिससे तीसरे घेरेबंदी के आरंभ का चिह्न मिला, उसके अगले वर्ष यहेजकेल को मिस्र के विरुद्ध बोलने की आज्ञा दी गई, यह घोषित करते हुए कि वह चालीस वर्षों तक उजाड़ पड़ा रहेगा।

और मैं मिस्र देश को उन देशों के बीच उजाड़ कर दूँगा जो उजाड़ हैं, और उसके नगर उन नगरों के बीच जो खंडहर किए गए हैं, चालीस वर्ष तक उजाड़ पड़े रहेंगे; और मैं मिस्रियों को जातियों के बीच तितर-बितर कर दूँगा, और उन्हें देशों में छिन्न-भिन्न कर दूँगा। तौभी प्रभु यहोवा यों कहता है: चालीस वर्ष के अंत में मैं मिस्रियों को उन जातियों में से, जिनमें वे तितर-बितर किए गए थे, इकट्ठा करूँगा; और मैं मिस्र की बंधुआई को फेर दूँगा, और उन्हें पत्रोस देश में, अर्थात् उनकी निवास-भूमि में, लौटा लाऊँगा; और वे वहाँ एक हीन राज्य होंगे। यहेजकेल 29:12-14।

घेराबंदी 588 ईसा पूर्व में आरम्भ हुई, और एक वर्ष बाद 587 ईसा पूर्व में यहेजकेल को बोलने की आज्ञा दी गई। पद 'सत्रह' में 571 ईसा पूर्व यह सूचित करता है कि प्रदान की गई सेवाओं के प्रतिफलस्वरूप मिस्र बाबेल को दे दिया जाएगा। बाइबिल-कालक्रम के विद्वान इन पदों में उल्लिखित चालीस-वर्षीय अवधि को 567 ईसा पूर्व से 527 ईसा पूर्व तक मानते हैं, और 587 ईसा पूर्व में घोषित न्याय के प्रारम्भिक संदेश से लेकर 571 ईसा पूर्व में पद सत्रह की उस घोषणा तक, कि यहोवा ने मिस्र नबूकदनेस्सर के हाथ में दे दिया है, हम एक 'सत्रह-वर्षीय' अवधि पाते हैं।

नबूकदनेस्सर की सेना ने सोर के विरुद्ध एक लंबा और कठिन अभियान लड़ा (घेराबन्दी लगभग 13 वर्ष तक चली, लगभग 586-573 ईसा-पूर्व)। सैनिकों ने अत्यन्त कठोर परिश्रम किया (हर सिर गंजा हो गया और बोझ उठाने से हर कंधा छिल गया), तौभी उन्हें स्वयं सोर से कोई महत्वपूर्ण मजदूरी या लूट प्राप्त न हुई। इस अलाभकारी परिश्रम के कारण, परमेश्वर ने निश्चय किया कि सोर के विरुद्ध उसकी सेना ने जो कार्य किया, उसके प्रतिफल ("मजदूरी") के रूप में नबूकदनेस्सर को मिस्र दे दिया जाए।

और उसी घर में ठहरे रहो, और जो कुछ वे दें उसे खाते-पीते रहो; क्योंकि मजदूर अपनी मजदूरी का अधिकारी है। घर-घर न फिरो। लूका 10:7।

इसलिए नबूकदनेस्सर ने पहले सोर को लिया, और तेरह वर्ष की घेराबन्दी के बाद उसे मिस्र दिया गया। सोर को लेने से पहले उसने 586 ईसा-पूर्व में यरूशलेम को लिया; फिर उसने सोर के विरुद्ध तेरह वर्ष की घेराबन्दी पूरी की, और उसके बाद मिस्र को लिया। यरूशलेम 586 ईसा-पूर्व में लिया गया, और सोर की घेराबन्दी 586 ईसा-पूर्व में आरम्भ हुई और 573 ईसा-पूर्व तक चली। संख्या तेरह का संबंध संयुक्त राज्य अमेरिका से है।

बहन व्हाइट हमें सूचित करती हैं कि यहेजकेल की पुस्तक में यरूशलेम लाओदीकिया की सेवेथ-डे एडवेंटिस्ट कलीसिया का प्रतिनिधित्व करता है, और उत्तर का राजा नबूकदनेस्सर अंत के दिनों में पोपीय शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। उन्तीसवें अध्याय के ऐतिहासिक दृष्टान्त में, "तेरी प्रजा के लुटेरे" के अंतिम-दिनों के प्रतिनिधि के रूप में पोपीय रोम अध्याय में तीन सत्ताओं को जीत लेता है। पहले वह यरूशलेम को लेता है, फिर सोर को, और अंत में मिस्र को।

न्याय परमेश्वर के घराने से आरम्भ होता है, और संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रोटेस्टेंटवाद का सींग रविवार-विधि से पहले ही सबसे पहले पराजित किया जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद के सींग में लौदीकिया की सेवन्थ-डे एडवेंटिस्ट कलीसिया सम्मिलित है, जो “पूर्व” वाचा-प्रजा का प्रतिनिधित्व करती है, जिन्हें वैसे ही छोड़ दिया जाता है जैसा प्राचीन इस्राएल को सन् 34 में और प्रोटेस्टेंटों को 1844 में छोड़ दिया गया था। सन् 34 और 1844 में परमेश्वर की उस पूर्व वाचा-प्रजा को छोड़ दिया जाना—दोनों ही—दानियेल 8:14 की तेईस सौ वर्षों की भविष्यवाणी के भविष्यद्वाणीगत इतिहास में निरूपित हैं। न्याय परमेश्वर के घराने से आरम्भ होता है, और प्रोटेस्टेंटवाद के सींग का न्याय रिपब्लिकनवाद के सींग से पहले किया जाता है।

क्योंकि वह समय आ पहुँचा है कि न्याय परमेश्वर के घराने से आरम्भ हो; और यदि वह पहिले हमीं से आरम्भ हो, तो उन लोगों का अन्त क्या होगा जो परमेश्वर के सुसमाचार को नहीं मानते? 1 पतरस 4:17.

मिस्र के न्याय का पहला उल्लेख उनतीसवें अध्याय के पहले पद में मिलता है, और मिस्र के संबंध में यहजेकेल द्वारा उल्लिखित अंतिम तिथि उसी अध्याय के ‘सत्रहवें’ पद में है। यह अध्याय पहले आधुनिक रोम को प्रोटेस्टेंटवाद के सींग पर, और फिर सूर को, जो रिपब्लिकनवाद के उस सींग का प्रतिनिधित्व करता है जिसे शीघ्र आने वाले रविवार-विधि के समय पराजित किया जाता है, विजय प्राप्त करते हुए पहचानता है। जब सूर (संयुक्त राज्य) पर रविवार-विधि के समय नबूकदनेस्सर द्वारा विजय प्राप्त की जाती है, तब मिस्र भी उसके हाथ में दे दिया जाता है। उसी बिंदु पर पोपतंत्र का घातक घाव चंगा हो जाता है। केवल पोपतंत्र का घातक घाव ही उस समय चंगा नहीं होता, बल्कि यहजेकेल हमें सूचित करता है कि यह उत्तरवर्ती वर्षा की अवधि के दौरान घटित होता है।

उस दिन मैं इस्राएल के घराने के सींग को अंकुरित होने दूँगा, और मैं उनके बीच तुझे मुख खोलने का अवसर दूँगा; तब वे जान लेंगे कि मैं ही यहोवा हूँ। यहजेकेल 29:21.

याकूब और इस्राएल

यशायाह यह चिन्हित करता है कि इस्राएल कोंपलित होता है, फूलता-फलता है, और समस्त पृथ्वी को फल से भर देता है। वर्षा ही कोंपलित होने, फूलने-फलने, और फल उत्पन्न करने के इन तीन चरणों को घटित करती है, और यशायाह के अनुसार पिछली वर्षा तब आती है जब “प्रचण्ड पवन” रोक दिया जाता है। वह आगे यह भी स्पष्ट करता है कि कोंपलित होने, फूलने-फलने, और फल लाने की इस अवधि के दौरान याकूब के पाप दूर किए जाने हैं, और जिस इब्रानी शब्द का अनुवाद “दूर किए जाने” किया गया है, उसका अर्थ प्रायश्चित्त किया जाना है।

माप के अनुसार, जब वह निकलता है, तब तू उससे वाद-विवाद करेगा; वह पूर्वी पवन के दिन अपनी प्रचण्ड वायु को रोक लेता है। इसलिए इसी के द्वारा याकूब का अधर्म दूर किया जाएगा; और उसके पाप को हटा देने का सारा फल यही होगा कि जब वह वेदी के सब पत्थरों को चूने के पत्थरों के समान, जो तोड़कर चूर-चूर किए गए हों, कर देगा, तब उपवन और मूरतें खड़ी न रह सकेंगी। यशायाह 27:8, 9.

जब कलह की चारों पवनें (उसकी प्रचण्ड पवन) रोक दी जाती हैं, तब एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी आरम्भ होती है, और अन्ततः एडवेंटवाद के बुद्धिमान और दुष्ट अलग कर दिए जाते हैं, और यह सब “पूरब की पवन के दिन” में सम्पन्न होता है। मुहरबंदी का समय 9/11 पर एक छिड़काव के साथ आरम्भ हुआ, और यह रविवार के विधान के समय पूर्ण उण्डेलने के साथ समाप्त होता है, जब पृथ्वी तब फल से परिपूर्ण हो जाती है। मुहरबंदी का समय मलाकी तीन के अनुरूप एक प्रगतिशील शुद्धीकरण और परिशोधन है। परन्तु उस सत्रह-वर्षीय अवधि में, जो यहजेकेल उनतीस की आरम्भिक और अंतिम तिथियों द्वारा निरूपित है, बाइबल की भविष्यवाणी के छठे राज्य की विजय होती है, जिसका प्रतिनिधित्व यरूशलेम द्वारा किया गया है, जो प्रोटेस्टेंटवाद के सींग—कलीसिया—का प्रतीक है; और सोर द्वारा, जो सींग अथवा रिपब्लिकनवाद—राज्य—का प्रतीक है। सोर की तेरह-वर्षीय घेराबंदी की समाप्ति के तुरन्त बाद, दस राजाओं के सातवें राज्य की विजय होती है, जिसका प्रतिनिधित्व मिस्र द्वारा किया गया है। यरूशलेम, सोर, और मिस्र की ये तीनों विजयें उसी समय घटित होती हैं जब “इस्राएल के घराने का सींग” कोंपलित होता है, और उसे

मुख खोलने का अवसर दिया जाता है।

याजक यहजेकेल और याजक जकरयाह—दोनों की गूँगापन रविवार के विधान पर समाप्त होती है, जब संयुक्त राज्य और बिलाम की गदही दोनों बोलते हैं। रविवार के विधान पर प्रभु इस्राएल के घराने को “मुख का खोलना” प्रदान करता है। तब याकूब के पाप शुद्ध कर दिए गए होते हैं और उसका नाम बदलकर इस्राएल का घराना कर दिया जाता है। जो संदेश वे घोषित करते हैं, वह भविष्यवाणीपूर्ण गूँगापन के तृतीय साक्षी द्वारा निरूपित है, जिसका प्रतिनिधित्व दानिय्येल करता है; तब उसे दानिय्येल अध्याय ग्यारह का संदेश दिया जाता है, जो हबक्कूक का वह दर्शन भी है, जो तब ‘बोलता है और झूठ नहीं कहता।’ यहजेकेल, जकरयाह और दानिय्येल तीसरे स्वर्गदूत की बड़े शब्द के साथ की जाने वाली घोषणा के अनुरूप हैं; और यही बात यर्मयाह पर भी लागू होती है, अध्याय पंद्रह में, जहाँ उससे प्रतिज्ञा की जाती है कि यदि वह पहली निराशा से उबर आए, तो वह परमेश्वर का मुख होगा।

मेरा दर्द क्यों निरन्तर बना रहता है, और मेरा घाव असाध्य है, जो चंगा होने से इनकार करता है? क्या तू मेरे लिए सर्वथा एक झूठे के समान, और उन जलधाराओं के समान होगा जो धोखा देती हैं? इसलिए यहोवा यों कहता है, यदि तू लौट आए, तो मैं तुझे फिर लौटा लाऊँगा, और तू मेरे सम्मुख खड़ा रहेगा; और यदि तू निकृष्ट में से बहुमूल्य को अलग निकाले, तो तू मेरे मुख के समान होगा; वे तेरी ओर लौटें, परन्तु तू उनकी ओर न लौटना। यर्मयाह 15:18, 19

यीशु अंत को आदि के द्वारा स्पष्ट करते हैं, और 9/11 पर छिड़काव ने कलियाँ उत्पन्न कीं और याकूब का पौधा बढ़ना आरम्भ हुआ; और अन्ततः जब याकूब का अधर्म दूर कर दिया जाएगा, तब इस्राएल का घराना बोलेगा। 9/11 पर जो कली-फूटना वर्षा के द्वारा सम्पन्न हुआ, वह मुहरबन्दी के समय के अन्त में होने वाले एक कली-फूटने का प्रतीक है, जब इस्राएल के घराने का “सींग” कली-फूटेगा, ठीक वहीं जहाँ धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद और रिपब्लिकनवाद के सींग नबूकदनेस्सर द्वारा पराजित किए जाते हैं।

उस बिन्दु पर प्रोटेस्टेंटवाद के झूठे सींग और प्रोटेस्टेंटवाद के सच्चे सींग के बीच का भेद स्पष्ट रूप से प्रतिपादित किया गया है, जैसा कि हारून की उस लाठी द्वारा प्रतिरूपित है जिसमें कौपलें फूटी थीं, और जो इस्राएल के गोत्रों की अन्य लाठियों से भिन्न थी। यहजेकेल के उनतीसवें अध्याय में उल्लिखित दो तिथियाँ, शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय एक लाख चवालीस हजार के ध्वज के ऊँचे उठाए जाने के इतिहास को चिह्नित करती हैं।

कौपल फूटने, फूलने और पृथ्वी को फल से भर देने की प्रक्रिया 9/11 को पिछली वर्षा के छिड़काव के साथ आरम्भ हुई, ठीक वैसे ही जैसे पिन्तेकुस्ती काल का आरम्भ तब हुआ जब मसीह ने अपने चेलों पर कुछ बूँदें फूँकीं, जो पिन्तेकुस्त तक ले गईं, जब पूर्ण उण्डेलना हुआ। 9/11 की वह कौपल, जो याकूब (हड़पनेवाला) की शुद्धि के आरम्भ में प्रकट हुई, जो मुहर लगाने का समय है, रविवार व्यवस्था के समय इस्राएल के घराने (जयवन्त) की कौपल फूटने का प्रतिरूप थी। अन्त की यह कौपल पूर्व वाचा की प्रजा और एक लाख चवालीस हजार के बीच एक भेदचिह्न स्थापित कर रही है, ठीक वैसे ही जैसे कर्मल पर्वत पर आग के उण्डेले जाने ने भविष्यद्वक्ता एलिय्याह और बाल के भविष्यद्वक्ताओं के बीच भेद प्रकट किया। यह भेद एक ऐसे वर्ग द्वारा निरूपित है जो भविष्यसूचक रूप से शान्ति और सुरक्षा के जाली संदेश के कारण लज्जित है, और दूसरा वर्ग भविष्यसूचक रूप से आनन्दित है, और वे कभी लज्जित न होंगे।

मिस्र की छह खजूरें

यहजेकेल मिस्र से संबंधित चार अन्य तिथियों का उल्लेख करता है, और उन तिथियों में से दो बंधुआई के ग्यारहवें वर्ष को चिह्नित करती हैं, तथा अन्य दो तिथियाँ बंधुआई के बारहवें वर्ष को चिह्नित करती हैं।

ग्यारहवें वर्ष की घेराबंदी

और ऐसा हुआ कि ग्यारहवें वर्ष में, पहले महीने के सातवें दिन, यहोवा का वचन मेरे पास पहुँचा, कि, हे मनुष्य के सन्तान, मैंने मिस्र के राजा फिरौन की भुजा तोड़ दी है; और देख, वह इस रीति से नहीं बाँधी जाएगी कि चंगी हो जाए, न उस पर पट्टी बाँधी जाएगी कि वह दृढ़ होकर तलवार पकड़ने के योग्य हो जाए। यहजकेल 30:20, 21.

और ऐसा हुआ कि ग्यारहवें वर्ष में, तीसरे महीने में, महीने के पहले दिन, यहोवा का वचन मेरे पास पहुँचा, और कहा, हे मनुष्य के सन्तान, मिस्र के राजा फिरौन और उसकी भीड़ से कह, अपनी महानता में तू किसके समान है? यहजकेल 31:1, 2.

बंदीगृह के ग्यारहवें वर्ष में, अध्याय तीस में मिस्र और फिरौन की भुजाएँ तोड़ दी गई हैं, और बाबुल की भुजाएँ सुदृढ़ की गई हैं। अध्याय इकतीस में ग्यारहवें वर्ष में मिस्र के पतन और उसके संसार पर प्रभाव की पहचान की गई है।

बारहवाँ वर्ष और यरूशलेम का पतन

बारहवें वर्ष की वे दो तिथियाँ यहजकेल बत्तीस में पाई जाती हैं।

और बारहवें वर्ष के बारहवें महीने के पहिले दिन ऐसा हुआ कि यहोवा का वचन मेरे पास पहुँचा, और कहा, हे मनुष्य के सन्तान, मिस्र के राजा फिरौन के विषय में विलाप कर, और उससे कह, तू जातियों के बीच एक जवान सिंह के समान है, और तू समुद्रों में एक बड़े जलजन्तु के समान है; और तू अपनी नदियों में निकल आया, और अपने पैरों से जल को मथ डाला, और उनकी नदियों को गन्दा कर दिया। प्रभु यहोवा यों कहता है: इस कारण मैं बहुत-सी जातियों की सभा के द्वारा तुझ पर अपना जाल फैलाऊँगा; और वे तुझे मेरे जाल में खींच निकालेंगे। यहजकेल 32:1-3.

बारहवें वर्ष में, महीने के पंद्रहवें दिन, यहोवा का वचन मेरे पास पहुँचा, और उसने कहा, हे मनुष्य के सन्तान, मिस्र की भीड़ के लिए विलाप कर, और उसे, तथा प्रसिद्ध जातियों की पुत्रियों को, उनके साथ जो गढ़ों में उतरते हैं, पृथ्वी के निचले भागों में उतार दे। यहजकेल 32:17, 18.

फिरौन और उसकी भीड़

इकतीसवें अध्याय में मिस्र पर उच्चारित न्यायवाणी में, अंतिम पद इस प्रकार कहते हैं:

जब मैंने उसे गर्त में उतरने वालों के साथ अधोलोक में गिरा दिया, तब उसके पतन के शब्द से मैंने जातियों को कांप उठा दिया; और एदेन के सब वृक्ष, लबानोन के चुने हुए और श्रेष्ठ वृक्ष, अर्थात् वे सब जो जल पीते हैं, पृथ्वी के अधोभागों में शान्ति पाएँगे। वे भी उसके साथ अधोलोक में उन लोगों के पास उतर गए जो तलवार से मारे गए थे; और वे भी जो उसका भुजबल थे, जो अन्यजातियों के बीच उसकी छाया के नीचे रहते थे। तू एदेन के वृक्षों में महिमा और महानता में किसके समान है? तौभी तुझे एदेन के वृक्षों के साथ पृथ्वी के अधोभागों में उतार दिया जाएगा; तू खतनारहितों के बीच तलवार से मारे हुआओं के साथ पड़ा रहेगा। यही फिरौन और उसका सारा समुदाय है, प्रभु यहोवा की यही वाणी है। यहजकेल 31:16-18।

बत्तीसवें अध्याय में मिस्र के विरुद्ध की गई घोषणा में, अंतिम पद इकतीसवें अध्याय की बात को दोहराते और उसका विस्तार करते हैं, और उसमें एक समानांतर समापन-वक्तव्य भी सम्मिलित है।

क्योंकि मैंने जीवितों की भूमि में अपना आतंक फैलाया है; और वह तलवार से मारे हुआओं के साथ, खतनारहितों के बीच, अर्थात् फिरौन और उसकी सारी भीड़ समेत, लिटाया जाएगा, प्रभु यहोवा की यही वाणी है। यहजकेल 32:32.

उनतीसवें अध्याय के सत्रह वर्ष

उनतीसवें अध्याय में निरूपित सत्रह-वर्षीय अवधि में स्थित तिथियाँ नबूकदनेस्सर द्वारा मिस्र पर विजय प्राप्त करने, तथा मिस्र की चालीस-वर्षीय उजाड़ अवस्था की पहचान करती हैं। चालीस जंगल का प्रतिनिधित्व करता है, जो उन एक हजार वर्षों का प्रतिरूप है जिनमें पृथ्वी उजाड़ रहती है।

मैंने पृथ्वी को देखा, और देखो, वह सूनी और सुनसान थी; और आकाश को, और उसमें कोई प्रकाश न था। मैंने पर्वतों को देखा, और देखो, वे कांप रहे थे, और सब पहाड़ियाँ डोल रही थीं। मैंने देखा, और देखो, वहाँ कोई मनुष्य न था, और आकाश के सब पक्षी उड़ गए थे। मैंने देखा, और देखो, उपजाऊ स्थान जंगल हो गया था, और उसके सब नगर यहोवा के सम्मुख, और उसके प्रचण्ड क्रोध के कारण, ढा दिए गए थे। क्योंकि यहोवा ने यों कहा है, सारा देश उजाड़ हो जाएगा; तौभी मैं उसका पूरा अन्त न करूँगा। यिर्मयाह 4:23-27.

यहेजकेल उनतीस में वर्णित मिस्र के उजाड़े जाने के चालीस वर्षों के अंत में, दुष्टों के अंतिम पुनरुत्थान और उनके परम विनाश को प्रस्तुत किया गया है।

हे पृथ्वी के निवासी, भय, और गह्वा, और फंदा तुझ पर आ पड़े हैं। और ऐसा होगा कि जो भय के शब्द से भागेगा, वह गह्वे में गिरेगा; और जो गह्वे के बीच से निकल आएगा, वह फंदे में फँस जाएगा; क्योंकि ऊपर की खिड़कियाँ खुल गई हैं, और पृथ्वी की नेव डोल रही है। पृथ्वी सर्वथा टूट गई है, पृथ्वी पूर्णतः विदीर्ण हो गई है, पृथ्वी अत्यन्त हिल गई है। पृथ्वी मतवाले की नाई डगमगाएगी, और झोंपड़ी की नाई हटाई जाएगी; और उसका अपराध उस पर भारी होगा; और वह गिरेगी, और फिर न उठेगी। और उस दिन ऐसा होगा कि यहोवा ऊँचे स्थानों की ऊँची सेना को दण्ड देगा, और पृथ्वी पर के राजाओं को भी पृथ्वी पर दण्ड देगा। और वे इकट्ठे किए जाएँगे, जैसे बन्दी गह्वे में इकट्ठे किए जाते हैं, और वे बन्दीगृह में बन्द किए जाएँगे, और बहुत दिनों के बाद उनकी सुधि ली जाएगी। यशायाह 24:17-22।

यहेजकेल का वह संदेश, जो मिस्र से संबद्ध छह तिथियों द्वारा एक साथ प्रस्तुत किया गया है, पृथ्वी की अजगर-सदृश शक्ति के अंतिम विनाश की पहचान करता है, जिसका आरम्भ शीघ्र आने वाले रविवार-व्यवस्था से होता है और जो सहस्राब्दी के अंत में दुष्ट मिस्रियों के अंतिम विनाश तक निरंतर चलता रहता है।

भविष्यद्वाणी संबंधी साक्ष्य में पशु और झूठा भविष्यद्वक्ता आग की झील में अपना अंत प्राप्त करते हैं, जो मसीह के द्वितीय आगमन का प्रतिनिधित्व करती है; परन्तु अजगर की सामर्थ्य का आग की झील द्वारा विनाश सहस्राब्दी के अंत में होता है।

और उस पशु को पकड़ लिया गया, और उसके साथ उस झूठे भविष्यद्वक्ता को भी, जिसने उसके सामने चमत्कार किए थे, जिनके द्वारा उसने उन लोगों को भ्रमाया था जिन्होंने उस पशु की छाप ग्रहण की थी और जो उसकी मूरत की पूजा करते थे। वे दोनों जीवित ही गन्धक से जलती हुई आग की झील में डाल दिए गए। और शेष लोग उस पर जो घोड़े पर बैठा था, उसके मुख से निकलनेवाली तलवार से मार डाले गए; और सब पक्षी उनके मांस से तृप्त हो गए। प्रकाशितवाक्य 19:20, 21.

पशु और झूठा भविष्यद्वक्ता भविष्यवाणी के अनुसार मसीह के दूसरे आगमन पर अपना अंत पाते हैं, परन्तु अजगर अपने भाग्य का सामना मसीह के तीसरे आगमन पर, एक हजार वर्ष बाद, करता है।

और मैंने एक स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा, जिसके हाथ में अथाह कुंड की कुंजी और एक बड़ी जंजीर थी। और उसने उस अजगर को, अर्थात् उस पुराने सर्प को, जो इब्लीस और शैतान है, पकड़कर एक हजार वर्ष के लिए बाँध दिया, और उसे अथाह कुंड में डाल दिया, और उसे बंद कर दिया, और उस पर मुहर लगा दी, ताकि जब तक वे एक हजार वर्ष पूरे न हो जाएँ, वह फिर जातियों को धोखा न दे; और उसके बाद उसका थोड़े समय के लिए छोड़ा जाना अवश्य है। प्रकाशितवाक्य 20:1-3।

ग्यारहवाँ और बारहवाँ वर्ष

यहेजकेल उनतीस में उल्लिखित दो तिथियों द्वारा निर्दिष्ट 'सत्रह' वर्ष की अवधि बंधुआई के दसवें वर्ष में आरंभ हुई और सत्ताईसवें वर्ष में समाप्त हुई। अध्याय तीस और इकतीस के संदेश ग्यारहवें वर्ष में दिए गए, और अध्याय बत्तीस में उल्लिखित दो तिथियाँ बंधुआई के बारहवें वर्ष में दी गईं। वह सत्रह-वर्षीय अवधि, जो दसवें वर्ष में—लगभग यरूशलेम की घेराबंदी के प्रारंभ के समय—आरंभ हुई, उसके पश्चात् ग्यारहवें वर्ष के मिस्र संबंधी वे दो संदेश आए जो अध्याय तीस और इकतीस में प्रस्तुत किए गए हैं। ग्यारहवें वर्ष के ये दोनों संदेश मिलकर रविवार व्यवस्था से ठीक पूर्व का एक संदेश निरूपित करते हैं। बारहवें वर्ष के अन्य दो मिस्र संबंधी संदेश 586/585 ईसा-पूर्व में यरूशलेम के विनाश के समय या उसके थोड़े ही बाद दिए गए।

मसीह के आगमन का संदेश मध्यरात्रि की पुकार के संदेश के एक भाग के रूप में घोषित किया जाता है, जो रविवार के कानून पर बदलकर बड़े शब्द से पुकारे जाने वाले संदेश में परिवर्तित हो जाता है। रविवार के कानून से पहले मिस्र के दो संदेश घोषित किए जाते हैं, और रविवार के कानून के समय या उसके तुरंत बाद मिस्र के दो संदेश घोषित किए जाते हैं। उन्हीं संदेशों का दोगुना होना, जो एक ही वर्ष में—उस घेराबंदी के दौरान जो यरूशलेम के विनाश पर समाप्त होती है—दिया जाता है, और वे अन्य दो संदेश जो रविवार के कानून पर दिए जाते हैं, दूसरे स्वर्गदूत के संदेश का प्रतिरूप हैं, जहाँ सदा ही दोगुना होना पाया जाता है।

दूसरे संदेश के पश्चात् सदा तीसरा संदेश आता है।

“हमें लेखनी और वाणी के द्वारा उस उद्घोषणा को निनादित करना है, उनके क्रम को, और उन भविष्यवाणियों के अनुप्रयोग को प्रदर्शित करते हुए, जो हमें तीसरे स्वर्गदूत के संदेश तक ले आती हैं। प्रथम और द्वितीय के बिना तृतीय हो ही नहीं सकता। इन संदेशों को हमें प्रकाशनों और प्रवचनों के माध्यम से संसार को देना है, भविष्यसूचक इतिहास की रेखा में उन बातों को दिखाते हुए जो हो चुकी हैं और जो होने वाली हैं।” Selected Messages, book 2, 104, 105.

तीसरे संदेश पर अनुग्रहकाल का द्वार बंद हो जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए अनुग्रहकाल रविवार की व्यवस्था पर बंद हो जाता है, और संसार के लिए अनुग्रहकाल तब बंद हो जाता है जब मीकाएल उठ खड़ा होता है। ये दोनों बंद द्वार तीसरे संदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसके पहले सदा दूसरा संदेश आता है, और वह दूसरा संदेश सदा दोहरा संदेश होता है।

दूसरे स्वर्गदूत का सामर्थ्य-प्राप्त होना तब पूर्ण होता है जब वह मध्यरात्रि की पुकार के संदेश के साथ संयुक्त हो जाता है। मनुष्यजाति पर उच्चारित वे दो संदेश, जिनका प्रतिनिधित्व यहेजकेल द्वारा अध्याय तीस और इकतीस में मिस्र के विरुद्ध की गई घोषणाओं से होता है, यह चिह्नित करते हैं कि मध्यरात्रि की पुकार का संदेश कब दूसरे स्वर्गदूत के साथ संयुक्त होता है; और अध्याय बत्तीस के दो संदेश ऊँचे शब्द के समय तीसरे स्वर्गदूत के सामर्थ्य-प्राप्त होने की पहचान कराते हैं।

मानवीय घटनाओं की जटिल परस्पर क्रिया के विषय में यहेजकेल के पहिए मानवजाति के लिए अंतिम चेतावनी की पहचान करते हैं, जो तीसरे स्वर्गदूत की चेतावनी है; और तीसरा स्वर्गदूत पहले और दूसरे स्वर्गदूत की चेतावनियों से मिलकर बना है। रविवार की व्यवस्था से पहले की मध्यरात्रि की पुकार और रविवार की व्यवस्था के बाद का प्रबल पुकार यहेजकेल की उन चार तिथियों द्वारा निरूपित है जो उन 'सत्रह' वर्षों के भीतर पड़ती हैं, जो अध्याय उनतीस की अल्फा और ओमेगा तिथियाँ हैं, और जो दानिय्येल ग्यारह पद चालीस के गुप्त इतिहास के साथ संरेखित होती हैं, जैसा कि उसी अध्याय के पद ग्यारह से सोलह में निरूपित है।

दानिय्येल अध्याय दस में, यहेजकेल की भाँति, दानिय्येल को गूँगा कर दिया जाता है। दानिय्येल की गूँगेपन की अवस्था तीन स्पर्शों के मध्य में उत्पन्न होती है; पहला और तीसरा स्पर्श स्वर्गदूत गब्रिएल की ओर से था, और बीच का स्पर्श मसीह का स्पर्श था। दानिय्येल, जैसे पतरस कैसरिया-फिलिप्पी और क्रूस के बीच था, वैसे ही मध्य में है। मध्य में पतरस ने महिमामय मसीह को देखा, जैसा कि दानिय्येल ने भी अध्याय दस में देखा। तीन स्वर्गदूतों में जो मध्य का है,

वह दूसरा संदेश है, जो दो संदेशों का संयोजन है।

चौथे महीने का पाँचवाँ दिन और 1844

यहेजकेल अध्याय एक, पद एक और दो में, यहेजकेल चौथे महीने के पाँचवें दिन पर है, जो 1844 में सातवें महीने की गति के मध्य बिंदु के अनुरूप है। यहेजकेल 19 अप्रैल 1844 और 22 अक्टूबर 1844 के बीच मध्य में है, ठीक वैसे ही जैसे 1844 में मिडनाइट क्राइ के दूत सैमुएल स्नो थे, जब उन्होंने बॉस्टन में इस संदेश की अपनी पहली स्पष्ट समझ प्रस्तुत की थी—19 अप्रैल के 93 दिन बाद और 22 अक्टूबर 1844 को द्वार बंद होने के 93 दिन पहले। सैमुएल स्नो 21 जुलाई 1844 को बॉस्टन में थे, सातवें महीने की गति के मध्य में, इस बात से अनभिज्ञ कि वे भविष्यवाणी की दृष्टि से रूपांतरण पर्वत पर पतरस, सत्रहवें जुबिली चक्र के तीसवें वर्ष में यहेजकेल, और अध्याय दस के दर्पण-दर्शन के दौरान दानियेल के दूसरे स्पर्श के साथ खड़े थे। 2026 सत्तरवें जुबिली चक्र के सैंतालीसवें वर्ष का प्रतिनिधित्व करता है, जो 2028 में समाप्त होता है।

सूर

यरूशलेम के संबंध में यहेजकेल द्वारा किए गए छह उल्लेखों की तिथि-निर्धारण पर लौटने से पहले, हमें पहले उस एक तिथि की पहचान कर लेनी चाहिए जो सूर के विरुद्ध घोषित की गई थी।

और ऐसा हुआ कि ग्यारहवें वर्ष के पहिले महीने के प्रथम दिन यहोवा का वचन मेरे पास पहुँचा, और कहा, हे मनुष्य के सन्तान, क्योंकि सूर ने यरूशलेम के विरुद्ध कहा है, अहा, वह जो जातियों के फाटकों के समान थी, टूट गई है; वह मेरी ओर फिर गई है; अब वह उजाड़ पड़ी है, इसलिए मैं परिपूर्ण होऊँगा; इस कारण परमेश्वर यहोवा यों कहता है: हे सूर, देख, मैं तेरे विरुद्ध हूँ, और मैं बहुत-सी जातियों को तेरे विरुद्ध चढ़ाकर लाऊँगा, जैसे समुद्र अपनी लहरों को चढ़ाता है। और वे सूर की शहरपनाहों को नष्ट करेंगे, और उसके गुम्मतों को ढा देंगे; मैं उसकी मिट्टी भी उस पर से झाड़ूँगा, और उसे चट्टान के नंगे शिखर के समान कर दूँगा। वह समुद्र के बीच जाल फैलाने का स्थान हो जाएगा; क्योंकि मैंने यह कहा है, परमेश्वर यहोवा की यही वाणी है; और वह जातियों के लिये लूट हो जाएगी। और उसकी जो बेटियाँ मैदान में हैं, वे तलवार से मारी जाएँगी; तब वे जान लेंगी कि मैं यहोवा हूँ। क्योंकि परमेश्वर यहोवा यों कहता है: देख, मैं उत्तर की ओर से बाबुल के राजा नबूकदरेस्सर को, जो राजाओं का राजा है, घोड़ों, और रथों, और सवारों, और दलों, और बहुत-से लोगों समेत, सूर पर चढ़ाकर लाऊँगा।

वह मैदान में तेरी पुत्रियों को तलवार से मार डालेगा; और वह तेरे विरुद्ध गढ़ बनाएगा, और तेरे विरुद्ध चढ़ाई का बाँध खड़ा करेगा, और तेरे विरुद्ध ढाल उठाएगा। वह तेरी शहरपनाहों के विरुद्ध युद्ध-यंत्र स्थापित करेगा, और अपनी कुल्हाड़ियों से तेरे गुम्मतों को ढा देगा। उसके घोड़ों की बहुतायत के कारण उनकी धूल तुझे ढाँप लेगी; सवारों, पहियों, और रथों के शब्द से तेरी शहरपनाहें काँप उठेंगी, जब वह तेरे फाटकों में वैसे प्रवेश करेगा जैसे लोग किसी ऐसे नगर में प्रवेश करते हैं जिसमें संध लग गई हो। अपने घोड़ों के खुरों से वह तेरी सब गलियों को रौंद डालेगा; वह तेरी प्रजा को तलवार से मार डालेगा, और तेरे बलवन्त गढ़ भूमि पर गिर पड़ेंगे। और वे तेरे धन को लूट लेंगे, और तेरे व्यापार को शिकार बना लेंगे; और वे तेरी शहरपनाहों को ढा देंगे, और तेरे रमणीय घरों को नष्ट कर देंगे; और तेरे पत्थरों, तेरी लकड़ियों, और तेरी धूल को जल के बीच में डाल देंगे। और मैं तेरे गीतों का शब्द बन्द कर दूँगा; और तेरी वीणाओं का स्वर फिर सुनाई न देगा। और मैं तुझे नंगी चट्टान की चोटी के समान कर दूँगा; तू जाल फैलाने का स्थान होगी; तेरा फिर निर्माण न होगा; क्योंकि मैं यहोवा ने यह कहा है, प्रभु यहोवा की यही वाणी है।

प्रभु यहोवा तूर से यों कहता है: क्या तेरे पतन के शब्द से, जब घायल लोग चिल्लाएँगे, जब तेरे बीच में वध किया जाएगा, तब द्वीप काँप न उठेंगे? तब समुद्र के सब प्रधान अपनी-अपनी राजगद्दियों से उतर आएँगे, और अपने वस्त्र उतार रखेंगे, और अपने कढ़े हुए परिधान उतार देंगे; वे थरथराहट को ओढ़ लेंगे; वे भूमि पर बैठेंगे, और प्रति क्षण काँपते रहेंगे, और तुझे देखकर विस्मित होंगे। और वे तेरे लिए विलाप उठाएँगे, और तुझसे कहेंगे, हाय, तू कैसे नाश हो गई, जो समुद्र यात्रा करने वालों से बसी हुई थी, वह प्रसिद्ध नगरी, जो समुद्र में शक्तिशाली थी, वह

और उसके निवासी, जो वहाँ बसने वाले सब पर अपना आतंक बिठाते थे! अब तेरे पतन के दिन द्वीप थरथराएँगे; हाँ, जो द्वीप समुद्र में हैं वे तेरे चले जाने से व्याकुल हो उठेंगे। क्योंकि प्रभु यहोवा यों कहता है: जब मैं तुझे उजाड़ नगर कर दूँगा, उन नगरों के समान जिनमें कोई बसा नहीं रहता; जब मैं गहरे जल को तेरे ऊपर चढ़ा लाऊँगा, और बड़े-बड़े जल तुझे ढाँप लेंगे; जब मैं तुझे उनके साथ जो गड़हे में उतरते हैं, प्राचीनकाल के लोगों के पास उतार दूँगा, और तुझे पृथ्वी के नीचेले भागों में, उन स्थानों में जो प्राचीनकाल से उजाड़ पड़े हैं, उनके साथ जो गड़हे में उतरते हैं, बसाऊँगा, ताकि तू फिर बसाई न जाए; और मैं जीवितों के देश में महिमा स्थापित करूँगा; तब मैं तुझे आतंक का कारण बना दूँगा, और तू फिर न रहेगी; चाहे तुझे खोजा भी जाए, तो भी तू फिर कभी न मिलेगी, प्रभु यहोवा की यही वाणी है। यहजकेल 26:1-21।

सूर के विषय में यह संदेश उसी वर्ष घोषित किया गया था जिस वर्ष यरूशलेम नष्ट किया गया, और यह निकट आने वाले रविवार के कानून पर बाइबिलीय भविष्यद्वाणी के छठे राज्य के पतन का प्रतिनिधित्व करता है। रविवार के कानून के समय, संयुक्त राज्य अमेरिका (सूर) भविष्यद्वाणी के अनुसार आनन्दित होता है, क्योंकि उसने यरूशलेम को पराजित कर दिया है, जिसे सिस्टर व्हाइट लौदीकिया की सातवें-दिन एडवेंटिस्ट कलीसिया के रूप में पहचानती हैं, और जिसे यहजकेल “लोगों के फाटक” कहता है। सूर यह इंगित करता है कि यरूशलेम “था” लोगों के फाटक—यह भूतकाल में कहा गया है। भविष्यद्वाणी में “फाटक” एक कलीसिया है।

और वह भयभीत हुआ, और कहा, यह स्थान कितना भयानक है! यह और कोई नहीं, परन्तु परमेश्वर का भवन है, और यह स्वर्ग का फाटक है। तब याकूब सबेरे उठकर उस पत्थर को, जिसे उसने अपने सिरहाने रखा था, लेकर खम्भे के समान खड़ा किया, और उसके ऊपर तेल उंडेला। और उसने उस स्थान का नाम बेटेल रखा; परन्तु पहले उस नगर का नाम लूज था। उत्पत्ति 28:17-19.

“बेथेल” शब्द का अर्थ परमेश्वर का घर है, और सूर इस बात पर आनन्दित होता है कि उसने लौदीकिया की सेवन्थ-डे एडवेंटिस्ट कलीसिया को सूर्य-पूजा के प्रवर्तन को स्वीकार करने के लिए विवश कर दिया है। परन्तु सूर्य-पूजा का प्रवर्तन करने वालों के इस भ्रान्त उत्सव के बावजूद, परमेश्वर यहजकेल के द्वारा घोषित करता है कि, “हे सूर, मैं तेरे विरुद्ध हूँ, और मैं बहुत-सी जातियों को तेरे विरुद्ध चढ़ा लाऊँगा, जैसे समुद्र अपनी लहरों को चढ़ा लाता है। और वे सूर की शहरपनाहों को नष्ट करेंगे, और उसके गुम्मतों को ढा देंगे।”

“तूरुस की दीवारें” तूरुस की सुरक्षा का प्रतिनिधित्व करती हैं। “दीवार” दस आज्ञाओं का प्रतीक है।

“यहाँ नबी ऐसे लोगों का वर्णन करता है, जो सत्य और धर्म से सामान्य रूप से दूर हो जाने के समय में उन सिद्धांतों को पुनर्स्थापित करने का प्रयत्न कर रहे हैं, जो परमेश्वर के राज्य की नींव हैं। वे उस टूटन के सुधारक हैं जो परमेश्वर की व्यवस्था में की गई है—वह दीवार जिसे उसने अपने चुने हुएों के चारों ओर उनकी रक्षा के लिए खड़ा किया है, और जिसके न्याय, सत्य, और पवित्रता संबंधी उपदेशों का पालन उनके लिए सदा का सुरक्षा-कवच होना है।” भविष्यद्वाक्ता और राजा, 677.

परमेश्वर की व्यवस्था सुरक्षा की एक दीवार है, परन्तु बहुवचन में “दीवारें” उन दो सिद्धान्तों का प्रतिनिधित्व करती हैं जिन्होंने “सुरक्षा” प्रदान की और सूर की समृद्धि तथा सफलता उत्पन्न की, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के रिपब्लिकन सींग का एक प्रतीक है।

“‘और उसके मेम्ने के समान दो सींग थे।’ मेम्ने-सदृश सींग युवावस्था, निष्कपटता और सौम्यता का संकेत देते हैं, और 1798 में नबी के सामने ‘उठते हुए’ प्रस्तुत किए जाने पर वे संयुक्त राज्य अमेरिका के चरित्र का अत्यन्त उपयुक्त रीति से प्रतिनिधित्व करते हैं। उन मसीही निर्वासितों में, जो पहले अमेरिका भाग आए और राजकीय अत्याचार तथा याजकीय असहिष्णुता से शरण पाने का प्रयत्न करने लगे, बहुत से ऐसे थे जिन्होंने नागरिक और धार्मिक स्वतंत्रता की व्यापक नींव पर एक शासन-व्यवस्था स्थापित करने का निश्चय किया। उनके विचारों को स्वतंत्रता की उद्धोषणा में स्थान मिला, जो इस महान सत्य को प्रतिपादित करती है कि ‘सभी मनुष्य समान बनाए गए हैं’ और उन्हें ‘जीवन, स्वतंत्रता, और सुख की खोज’ का अविच्छेद्य अधिकार प्रदान किया गया है। और

संविधान जनता को स्वशासन का अधिकार सुनिश्चित करता है, यह व्यवस्था करते हुए कि लोकमत द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि विधियों का निर्माण करें और उनका प्रशासन करें। धार्मिक विश्वास की स्वतंत्रता भी प्रदान की गई, और प्रत्येक मनुष्य को अपनी अंतरात्मा की आज्ञा के अनुसार परमेश्वर की आराधना करने की अनुमति दी गई। गणतंत्रवाद और प्रोटेस्टेंटवाद उस राष्ट्र के मूलभूत सिद्धांत बन गए। यही सिद्धांत उसकी शक्ति और समृद्धि का रहस्य हैं। समस्त ईसाई-जगत में पीड़ित और दलित जनों ने इस देश की ओर रुचि और आशा के साथ देखा है। लाखों ने इसके तटों का आश्रय लिया है, और संयुक्त राज्य अमेरिका पृथ्वी के सबसे सामर्थी राष्ट्रों में एक स्थान तक उन्नत हुआ है। ...”

प्रतीक के मेम्ने-सदृश सींग और अजगर-सदृश वाणी उस राष्ट्र की घोषणाओं और उसके आचरण के बीच एक अत्यन्त उल्लेखनीय विरोधाभास की ओर संकेत करते हैं, जिसका इस प्रकार प्रतिनिधित्व किया गया है। उस राष्ट्र का “बोलना” उसकी विधायी और न्यायिक प्राधिकारियों की कार्यवाही है। ऐसी कार्यवाही के द्वारा वह उन उदार और शांतिप्रिय सिद्धान्तों को मिथ्या सिद्ध करेगा, जिन्हें उसने अपनी नीति की नींव के रूप में प्रस्तुत किया है। यह भविष्यवाणी कि वह “अजगर के समान” बोलेगा और “पहले पशु की सारी शक्ति” का प्रयोग करेगा, स्पष्ट रूप से उस असहिष्णुता और उत्पीड़न की भावना के विकास का पूर्वकथन करती है, जो अजगर और चीते-सदृश पशु द्वारा निरूपित राष्ट्रों में प्रकट हुई थी। और यह कथन कि दो सींगों वाला पशु “पृथ्वी और उसके निवासियों से पहले पशु की उपासना कराता है,” यह सूचित करता है कि इस राष्ट्र का अधिकार किसी ऐसे पालन को प्रवर्तित करने में प्रयुक्त किया जाएगा, जो पोपतंत्र के प्रति श्रद्धांजलि का कार्य होगा।

“ऐसी कार्यवाही इस सरकार के सिद्धांतों के, इसकी स्वतंत्र संस्थाओं की मूल प्रवृत्ति के, स्वतंत्रता की घोषणा के प्रत्यक्ष और गंभीर उद्घोषों के, तथा संविधान के प्रत्यक्षतः विरुद्ध होगी। राष्ट्र के संस्थापकों ने बुद्धिमानी से इस बात के विरुद्ध सुरक्षा करने का प्रयत्न किया कि कलीसिया की ओर से लौकिक शक्ति का उपयोग न हो, क्योंकि उसका अवश्यभावी परिणाम—असहिष्णुता और उत्पीड़न—होता है। संविधान यह प्रावधान करता है कि ‘Congress shall make no law respecting an establishment of religion, or prohibiting the free exercise thereof,’ और यह भी कि ‘no religious test shall ever be required as a qualification to any office or public trust under the United States.’ राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए इन सुरक्षात्मक उपबंधों का स्पष्ट उल्लंघन किए बिना, किसी भी धार्मिक आचरण को नागरिक प्राधिकार द्वारा लागू नहीं किया जा सकता। परंतु ऐसी कार्यवाही की विसंगति उस प्रतीक में प्रदर्शित बात से अधिक नहीं है। वह पशु जिसके सींग मेम्ने के समान हैं—जो अपने अंगीकार में शुद्ध, कोमल, और अहानिकर है—अजगर के समान बोलता है।” द ग्रेट कॉन्ट्रोवर्सी, 441, 442.

संयुक्त राज्य अमेरिका की नींव का प्रतिनिधित्व स्वतंत्रता-घोषणा और संविधान द्वारा किया गया है, जो क्रमशः प्रोटेस्टेंटवाद और गणतंत्रवाद का प्रतिनिधित्व करते हैं। संरक्षण और समृद्धि की “दीवारें” गणतंत्रवाद और प्रोटेस्टेंटवाद हैं, और रविवार-व्यवस्था के समय स्वतंत्रता-घोषणा तथा संविधान—दोनों के सिद्धांत उलट दिए जाते हैं, क्योंकि नबूकदनेज़र “तेरी दीवारों के विरुद्ध युद्ध-यंत्र स्थापित करेगा, और अपनी कुल्हाड़ियों से तेरे गुम्मतों को ढा देगा।”

रविवार व्यवस्था के समय सब “मीनारें” ढा दी जाती हैं, और मीनार उस कलीसिया का प्रतीक है जिसकी आधारभूत दर्शन-प्रणाली मनुष्य के अपने आपको स्वयं बचाने के प्रयास द्वारा निरूपित होती है। महान विद्रोही निम्नोद और उसकी मीनार के विषय में *Prophets and Kings* में हमें यह बताया गया है: “जब मीनार आंशिक रूप से पूरी हो चुकी थी, तब उसका एक भाग निर्माताओं के निवास-स्थान के रूप में उपयोग में लाया गया; अन्य कक्ष, जो भव्य रीति से सुसज्जित और अलंकृत थे, उनके मूर्तों के लिए समर्पित किए गए। लोग अपनी सफलता पर आनन्दित हुए, और चाँदी और सोने के देवताओं की स्तुति करने लगे, और स्वर्ग और पृथ्वी के अधिपति के विरुद्ध खड़े हो गए।” रविवार व्यवस्था के समय सूर आनन्दित होता है कि यरूशलेम पराजित कर दिया गया है, परन्तु राष्ट्रीय धर्मत्याग के पश्चात् राष्ट्रीय विनाश आता है, और तब उत्तर का राजा संयुक्त राज्य अमेरिका की दीवारों और मीनारों को ढा देगा।

अगले लेख में हम यहेजकेल में यरूशलेम की छह तिथियों पर विचार करना आरम्भ करेंगे।